www.sgbauonline.com

(3) रोदति

(4) पठिस्सति

(5) गच्छथ

(6) झायति

(7) विहरति

(8) पटिसन्ति।

B.A. (Part—II) Examination

(Modern Indian Language)

PALI AND PRAKRIT

(Compulsory)

Time : Three Hours] [Full Marks : 100

N.B. :— Answer the questions in your own medium offered.

सूचना :—स्वीकृत माध्यमातून उत्तरे लिहा.

सूचना :—स्वीकृत माध्यम में उत्तर लिखिए।

1. (A) Translate with reference any **ONE** of the following :— 10

खालीलपैकी कोणत्याही **एकाचे** ससंदर्भ भाषांतर करा :—

निम्नलिखित में से किसी **एक** का ससंदर्भ भाषांतर कीजिए :—

(1) "भूतपुब्बं, आनन्द, इमिस्सा येव मिथिलायं राजा अहोसि मखादेवो नाम, धम्मिको, धम्मराजा, धम्मं ठितो महाराजा; धम्मं चरति ब्राह्मणगहपतिकेसु, नेगमेसु, चेव जनपदेसु च उपोसथं च उपवसति चतुहसि पञ्चदसिं अट्ठमिं च पक्खस्सं। अथ खो, आनन्द, राजा मखादेवो बहूनं वस्सानं, बहुनं वस्ससतानं

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

बहूनं वस्ससहस्सानं अच्चयेनं कप्पकं आमन्तेसि — 'यदा मे, सम्म कप्पकं पस्सेय्यासि सिरस्मिं पलितानि जातानि, अथ मे, आरोचेय्यासि'ति। एवं देवा' ति खो, आनन्द, कप्पको रञ्ञो मखादेवस्स पच्चस्सोसि। अद्दसा खो, आनन्द, कप्पको बहूनं वस्सानं बहुनं वस्ससंतानं बहूनं वस्स-सहस्सानं अच्चयेन रञ्ञो मखादेवस्स सिरस्मिं पलितानि जातानि। दिस्वान राजानं मखादेवं एतदवोच -- 'पातुभूता खो देवस्स देवदूता, दिस्सन्ति सिरस्मिं पलितानि जातानी'ति।

OR/अथवा/किंवा

(2) एवं मे सुतं। एकं समयं भगवा मिथिलायं विहरति मखादेवम्बवने। अथ खो भगवा अञ्ञतरस्मिं पदेसे सितं पात्वाकासि। अथ खो आयस्मतो अनन्दस्स एतदहोसि—

"को नु खो हेतु, को पच्चयो भगवतो सितस्स पातुकम्माय ? न अकारणेन तथागता सितं पातु-करोन्ती''ति। अथ खो आयस्मा आनन्दो एकंसं चीवरं कत्वा येन भगवा तेनञ्जलिं पणामेत्वा भगवन्तं एतदवोच—"को नु खो, भन्ते, हेतु, को पच्चयो भगवतो सितस्स पातुकम्माय ? न अकारणेन तथागता सितं पातुकरोन्ती''ति।

"भूतपुब्बं' आनन्द, इमिस्सा' येव मिथिलाय राजा

(B) Write notes on any **TWO** :— 10
कोणत्याही **दोनवर** टिपा लिहा :—
किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :—
(1) धम्मपद
(2) सहस्सवग्ग
(3) मेत्तसुत्त
(4) थेरीगाथा
(5) चार आर्य सत्य.

5. (A) Write any **FIVE** forms of the following :— 10
खालीलपैकी कोणतेही **पाच** रूपे लिहा :—
निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** के रूप लिखिए :—
(1) बुद्ध — ततीया विभक्ति — अनेकवचन
(2) भिक्खु — सष्टी विभक्ति — अनेकवचन
(3) मुनी — ततीया विभक्ति — एकवचन
(4) दाण्डे — चतुत्थी विभक्ति —एकवचन
(5) पठ — वर्तमानकाळ अनेकवचन — पठम पुरिस
(6) पच — अनागतकाल अनेकवचन — ततीय पुरिस
(7) गम — अतितकाल एकवचन — दुतिय पुरिस।

(B) Recognise the following words meaning, singular or plural and gender also (any **FIVE**) :— 10
खालीलपैकी कोणत्याही **पाच** शब्दांचे अर्थ, वचन व काळ ओळखा :—
निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** शब्दों के अर्थ, वचन एवं काल पहचानिए :—
(1) सोचति
(2) पस्सथ

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

अहोसि मखादेवो नाम धम्मिको, धम्मराजा धम्मे ठितो महाराजा ; धम्मं चराति ब्राह्मणगहपतिकेसु नेगमेसु चेव जानपदेसु च उपोसंथ च उपवसति चतुद्दसिं, पञ्चदसिं, अट्ठमिं च पक्खस्सं।

(B) Translate with reference any **ONE** of the following :— 10

खालीलपैकी कोणत्याही **एकाचे** ससंदर्भ भाषांतर करा :—

निम्नलिखित में से किसी **एक** का ससंदर्भ भाषांतर कीजिए :—

(1) एवं मे सुतं। एकं समयं भगवा इच्छानङ्गले विहरति इच्छानङ्गलवन सण्डे। तेन खो पन समयेन सम्बहुला अभिञ्ञाता अभिञ्ञाता ब्राम्हण महासाला इच्छानङ्गले परिवसन्ति, सेय्यथीदं — चङ्कीब्राम्हणो तारूक्खो ब्राह्मणो, पोक्खरसाति ब्राह्मणो, जाणुस्सोणि ब्राह्मणो, तोदेय्यो ब्राह्मणो, अञ्ञे च अभिञ्ञाता अभिञ्ञाता ब्राह्मणमाहासाला। अथ खो वासेट्ठ-भारद्वाजानं माणवानं जङ्घाविहारं अनुचङ्कमन्तानं अनुविचरन्तानं अयमन्तराकथा उदपादि — "कथं भो, ब्राह्मणे होती"ति ? भारद्वाजो माणवो एवमाह — यतो खो, भो, उभतो सुजातो मातितो च पितितो च संसुद्धगहणिको याव सत्तमा पितामहयुगा अक्खितो अनुपक्कुट्ठो जातिवादेन-एत्तावता खो, भो, ब्राह्मणों होती"ति। वासेट्ठो माणवो एवमाह —

OR/अथवा/किंवा

(B) Translate with reference to the context any **TWO** Gatha's of the following :— 10

खालीलपैकी कोणत्याही **दोन** गाथांचे ससंदर्भ भाषांतर करा :—

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** गाथाओं का ससंदर्भ अनुवाद कीजिए :—

(1) करणीय मत्थकुसलेन यं तं सन्तं पदं अभिसमेच्चा।
सक्को उजू च सुजू च सुवचो चस्स मृदू अनतिभाषी।।

(2) सुदेसितो चक्खुमत्ता, बुद्धेनादिच्चबन्धुना।
सब्बसंयोजनातीतो,सब्बवट्ठविनासनो।।

(3) ततो सूचिं गहेत्वान बहिं ओकस्सयामहे।
पदीपस्सेव निब्बानं, विमोक्खो अहु चेतसो'ति।।

4. (A) Write the teaching of "Patachara-Theri". 10

"पटाचारा थेरी" ची शिकवण लिहा.

"पटाचारा थेरी" की शिक्षा लिखिए।

OR/अथवा/किंवा

Write the teaching of "Sahassa Vagga" .

"सहस्स वग्गा" ची शिकवण लिहा.

"सहस्स वग्गा" की शिक्षा लिखिए।

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

(2) अथ खो वासेट्ठ-भारद्वाजा माणवा येन भगवा तेनु पसङ्कमिंसु ; उपसंङ्कमित्वा भगवता सद्धिं सम्मोदिंसु। सम्मोदनीयं कथं साराणीयं वीतिसारेत्वा एकमन्तं निसीदिंसु। एकमन्तं निसिन्नो खो वासेट्ठो माणवो भगवन्तं गाथाहि अज्झाभसि—

"अनुञ्ञातपटिञ्ञाता, तेविज्जा मयमस्मु भो।
अहं पोक्खस्सातिस्स, तारूक्खरसायं माणवो ।।
"तेविज्जानं यदक्खातं, तत्र केवलिनोस्मसे।
पदकस्मा वेय्याकरणा जप्पे आचरियसादिसा।
तेसं नो जातिवादस्मि, विवादो अत्थि गोतम।।
"जातिया ब्राह्मणो होति, भारद्वाजो इति भासति।
अहं च कम्मुना ब्रूमि, एवं जानाहि चक्खुम।।
"ते न सक्कोम आपेतुं अञ्ञमञ्ञं मयं उभो।
भगवन्तं पट्ठुमागमा, सम्बुद्धं इति विस्सुतं।।
"चन्दं यथा खयातीतं पेच्च पञ्जतिका जना।
वन्दमाना नमस्सन्ति, एवं लाकस्मिं गोतमं।।

2. (A) Write the teaching of "Makhadeva Sutta". 10

"मखादेव सुत्ता" ची शिकवण लिहा.

"मखादेव सुत्त" की शिक्षा लिखिए।

OR/अथवा/किंवा

Write the importance of "Thergatha" in Pali Tipitaka Literature.

पालि त्रिपिटक साहित्यामध्ये "थेरगाथा" चे महत्व लिहा.

पालि त्रिपिटक साहित्य में "थेरगाथा" का महत्व लिखिए।

(B) Write the teaching of "Vasetta Sutta". 10

"वासेट्ठ सुत्ता" ची शिकवण लिहा.

"वासेट्ठ सुत्त" की शिक्षा लिखिए।

OR/अथवा/किंवा

Write the teaching of "Metta Sutta".

"मेत्त-सुत्ता" ची शिकवण लिहा.

"मेत्त-सुत्त" की शिक्षा लिखिए।

3. (A) Translate with reference to the context any **TWO** Gatha's of the following :— 10

खालीलपैकी कोणत्याही **दोन** गाथांचे ससंदर्भ भाषांतर करा :—

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** गाथाओं का ससंदर्भ अनुवाद कीजिए :—

(1) किमहं सीलसम्पन्नां, सत्थुसासनकारिका।
निब्बाणं माधिगच्छामिं, अकुसीता अनुद्धता।।

(2) सहस्समपि चे वाचा अनत्थपदसंहिता।
एकं अत्थपदं सेय्यो यं सुत्वा उपसम्मति।।

(3) नङ्गलेहि कसं खेत्तं, बीजाणि पवपं छमा।
पुत्तदारानि पोसेन्ता, धनं विन्दन्ति माणवा।।

www.sgbauonline.com